पाठ 14. वन महोत्सव

पाठ का परिचय

बच्चे अपने अध्यापक/अध्यापिका के साथ दो अक्तूबर के दिन महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने राजघाट गए। उन लोगों ने देखा कि एक नेता वृक्षारोपण के लिए आए हुए हैं। नेता जी ने पौधा लगाया और उसे पानी भी दिया। बच्चों ने अपनी अध्यापिका से जानना चाहा कि नेता जी ने वृक्ष क्यों लगाया। तब अध्यापिका ने बताया कि देशभर में 'वृक्ष लगाओ' अभियान चल रहा है। वर्षा ऋतु के आरंभ होते ही वन महोत्सव मनाया जाता है ताकि पौधे के लगते ही उसे बराबर पानी मिले और वह मुरझाए नहीं। बच्चों ने अध्यापिका से यह जानना चाहा कि वन महोत्सव की ज़रूरत क्यों है। तब अध्यापिका ने बताया कि लोगों ने अपने स्वार्थ के लिए इतने पेड़ काट लिए कि प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया है। इसके अलावा अध्यापिका ने उन्हें 'नर्सरी' के बारे में बताया जहाँ से पौध खरीदकर लाई जाती है। उन्होंने बच्चों को पेड़ों की विशेषताएँ भी बताईं। बच्चों ने अध्यापिका के साथ मिल पर्यावरण को सुरक्षित बनाने के लिए तथा अपना कर्तव्य निभाने के लिए कसमें खाईं। नए वृक्ष लगाकर जन-जीवन की रक्षा करने का संकल्प लिया।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

पर्यावरण की सुरक्षा करना। प्रदूषण को खत्म करने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना। धरती को हरी-भरी रखना।

पाठ का वाचन

बच्चों को एक-एक संवाद पढ़कर बोलने को कहें। उच्चारण पर विशेष ध्यान दें। प्रत्येक बच्चे को संवाद बोलने का अवसर प्राप्त हो, इस बात का ध्यान रखें।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्नलिखित प्रश्न पूछते हुए बच्चों से चर्चा करें –

- क्या वन महोत्सव मनाना चाहेंगे?
- वन महोत्सव मनाने का उद्देश्य क्या है?
- प्रकृति को हरा-भरा बनाने के लिए और क्या उपाए किए जा सकते हैं?
- तुम अपने घर के आसपास पेड़-पौधे किस प्रकार लगा सकते हो?
- क्या कभी ऐसा समय आ सकता है कि इस धरती पर जीवन ही समाप्त हो जाए?